

टीकाकरण कार्य में भारत पशुधन ऐप पर डेटा की समयबद्ध फीडिंग की जाये

दीपावली के दृष्टिगत गौशालाओं में गोबर से दीये, मूर्तियां एवं अन्य उपयोगी सामग्री तैयार की जाये

नस्ल सुधार कार्यक्रम में तेजी लाये जाये

—कैबिनेट मंत्री श्री धर्मपाल सिंह
गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर
एवं आय के स्रोत विकसित किए जाए

—राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा पासवान

लखनऊ : 05 अक्टूबर, 2026

उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री श्री धर्मपाल सिंह ने विधान सभा स्थित अपने कार्यालय कक्ष में विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि पशुओं के टीकाकरण कार्य में भारत पशुधन ऐप पर डेटा की समयबद्ध फीडिंग की जाए, जिससे टीकाकरण की प्रगति की रियल-टाइम निगरानी, पशुओं का डिजिटल रिकॉर्ड तथा अभियान की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो सके।

श्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि गौशालाओं में पशुओं के लिए चारा, पानी, साफ-सफाई, प्रकाश, जल निकासी सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। गौशालाओं तक आने-जाने के रास्तों को भी दुरुस्त कराया जाए, ताकि पशुओं की देखभाल एवं विभागीय गतिविधियों में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए वहां उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग तथा स्थानीय स्तर पर आय के स्रोत विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने दीपावली के दृष्टिगत गौशालाओं में गोबर से दीये, मूर्तियां एवं अन्य उपयोगी सामग्री तैयार कराए जाने तथा उनके बेहतर विपणन की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए, जिससे गौशालाओं को अतिरिक्त आय प्राप्त हो सके।

मंत्री ने अधिकारियों को नस्ल सुधार कार्यक्रम में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि उन्नत पशु नस्लों के माध्यम से पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने गौशालाओं को अधिक व्यवस्थित एवं

आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष जोर दिया। कहा कि विभागीय योजनाओं का लाभ पात्र पशुपालकों तक पहुंचाने के साथ-साथ योजनाओं की नियमित समीक्षा एवं प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप सभी कार्यक्रमों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए।

श्री धर्मपाल सिंह ने दुग्ध विकास विभाग को 25,000 दुग्ध समितियों के गठन के लक्ष्य को यथाशीघ्र पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दुग्ध समितियों के गठन की कार्यवाही में अपेक्षित गति लाते हुए अधिकाधिक दुग्ध उत्पादकों को समितियों से जोड़ा जाए। समितियों के गठन एवं संचालन की नियमित समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा दुग्ध उत्पादकों को योजनाओं एवं दुग्ध विपणन से संबंधित सुविधाओं का समुचित लाभ उपलब्ध कराया जाए।

राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा पासवान ने बैठक में कहा कि टीकाकरण एवं पशु स्वास्थ्य से संबंधित अभियानों का लाभ अधिक से अधिक पशुपालकों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने गौशालाओं में पशुओं की समुचित देखभाल, स्वच्छता एवं आवश्यक व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने के साथ ही गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आय के अवसर विकसित करने पर जोर दिया।

अपर मुख्य सचिव पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग, श्री मुकेश कुमार मेश्राम ने मंत्री जी द्वारा दिये गये निर्देशों का अनुपालन कराने हेतु अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टीकाकरण कार्य में भारत पशुधन ऐप पर डेटा की समयबद्ध फीडिंग, जियो-टैगिंग एवं आवश्यक फोटो अपलोडिंग सुनिश्चित करायी जायेगी। साथ ही, गौशालाओं में मूलभूत सुविधाओं की नियमित समीक्षा करते हुए उन्हें व्यवस्थित एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए निर्धारित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जायेगा।

बैठक में दुग्ध विकास विभाग के विशेष सचिव श्री राम सहाय यादव, पशुपालन निदेशालय के निदेशक (रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र) डॉ. संगीता तिवारी, निदेशक प्रशासन एवं विकास, डॉ. राजेंद्र प्रसाद सहित पीसीडीएफ एवं शासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सम्पर्क सूत्र— निधि वर्मा

राघवेन्द्र/03:00 PM

